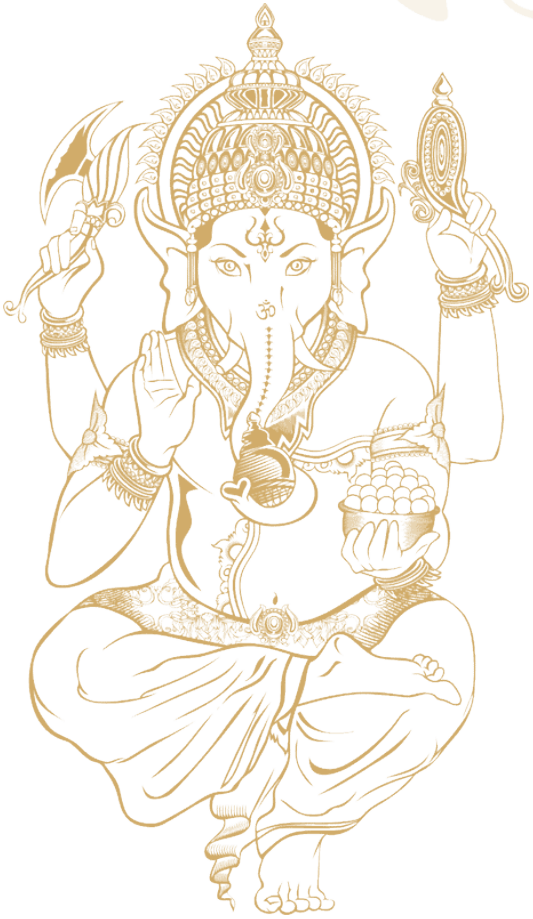

Yogesh

23 Mar 1995

08:32 PM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121494203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:32:00 घंटे**
इष्ट	35:05:58 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:04:00 घंटे
वेलान्तर	-00:06:46 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:31 घंटे
सूर्योदय	06:29:36 घंटे
सूर्यास्त	18:40:23 घंटे
दिनमान	12:10:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:43:15 मीन
लग्न के अंश	04:02:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:02:21	314:05:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	08:43:15	00:59:31	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	05:55:08	14:06:46	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		कर्क	19:22:45	00:00:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	19:29:26	01:37:06	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:27:59	00:01:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	00:43:21	01:11:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	23:21:31	00:07:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु			तुला	12:16:23	00:00:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	12:16:23	00:00:16	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:55:55	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:25:00	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:42:13	00:00:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:40:49	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:36

लग्न-चलित

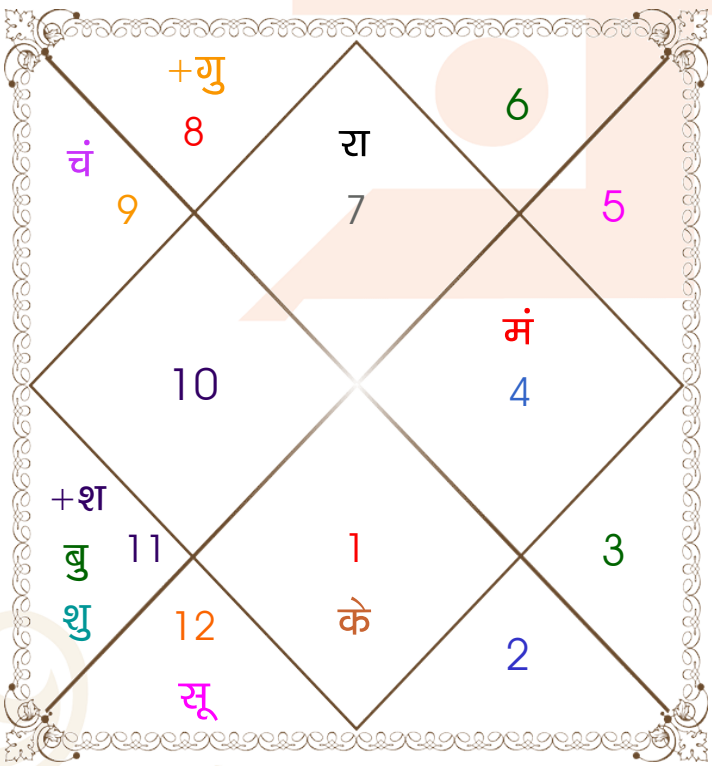

चन्द्र कुंडली

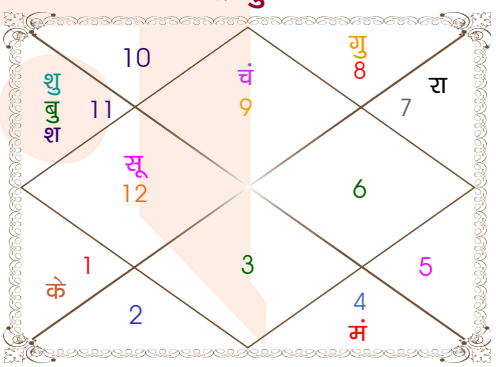

नवमांश कुंडली

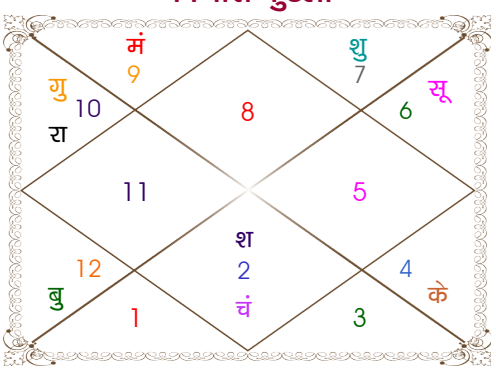

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/03/1995		12/02/1999		12/02/2019		12/02/2025		12/02/2035	
12/02/1999		12/02/2019		12/02/2025		12/02/2035		12/02/2042	
	00/00/0000	शुक्र	14/06/2002	सूर्य	02/06/2019	चंद्र	13/12/2025	मंगल	11/07/2035
	00/00/0000	सूर्य	14/06/2003	चंद्र	01/12/2019	मंगल	14/07/2026	राहु	29/07/2036
	00/00/0000	चंद्र	12/02/2005	मंगल	07/04/2020	राहु	13/01/2028	गुरु	05/07/2037
	00/00/0000	मंगल	14/04/2006	राहु	02/03/2021	गुरु	14/05/2029	शनि	14/08/2038
	23/03/1995	राहु	14/04/2009	गुरु	19/12/2021	शनि	13/12/2030	बुध	11/08/2039
राहु	31/01/1996	गुरु	14/12/2011	शनि	01/12/2022	बुध	14/05/2032	केतु	07/01/2040
गुरु	06/01/1997	शनि	12/02/2015	बुध	08/10/2023	केतु	13/12/2032	शुक्र	08/03/2041
शनि	15/02/1998	बुध	13/12/2017	केतु	12/02/2024	शुक्र	14/08/2034	सूर्य	14/07/2041
बुध	12/02/1999	केतु	12/02/2019	शुक्र	12/02/2025	सूर्य	12/02/2035	चंद्र	12/02/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/02/2042		12/02/2060		12/02/2076		12/02/2095		13/02/2112	
12/02/2060		12/02/2076		12/02/2095		13/02/2112		00/00/0000	
राहु	25/10/2044	गुरु	02/04/2062	शनि	15/02/2079	बुध	11/07/2097	केतु	12/07/2112
गुरु	21/03/2047	शनि	13/10/2064	बुध	25/10/2081	केतु	08/07/2098	शुक्र	11/09/2113
शनि	25/01/2050	बुध	19/01/2067	केतु	04/12/2082	शुक्र	09/05/2101	सूर्य	16/01/2114
बुध	13/08/2052	केतु	26/12/2067	शुक्र	03/02/2086	सूर्य	15/03/2102	चंद्र	18/08/2114
केतु	01/09/2053	शुक्र	26/08/2070	सूर्य	16/01/2087	चंद्र	15/08/2103	मंगल	14/01/2115
शुक्र	31/08/2056	सूर्य	14/06/2071	चंद्र	16/08/2088	मंगल	11/08/2104	राहु	24/03/2115
सूर्य	26/07/2057	चंद्र	13/10/2072	मंगल	25/09/2089	राहु	28/02/2107		00/00/0000
चंद्र	25/01/2059	मंगल	19/09/2073	राहु	01/08/2092	गुरु	05/06/2109		00/00/0000
मंगल	12/02/2060	राहु	12/02/2076	गुरु	12/02/2095	शनि	13/02/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।